प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 12 अंक : 7 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 सितम्बर, 2019 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया 'मतदाता सत्यापन कार्यक्रम' का शुभारम्भ

15 अक्टूबर तक प्रविष्टियों में किया जा सकेगा संशोधन

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री आनन्द कुमार ने कहा कि मतदाता सूचियां पूर्णतया त्रुटिरहित हों और कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से वंचित नहीं रहे। उन्होंने प्रदेश के आमजन से आव्हान किया कि वे सभी स्वयं आयोग द्वारा उपलब्ध करवाई गई सुविधाएं जैसे एनवीएसपी पोर्टल, वोटर हैल्पलाइन मोबाइल एप के माध्यम से अपनी प्रविष्टियों का सत्यापन करें।

श्री कुमार सचिवालय में समिति कक्ष-1 में मतदाता सत्यापन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सत्यापन के दौरान यदि प्रविष्टियों में किसी प्रकार का संशोधन आवश्यक हो तो मतदाता आयोग द्वारा अधिकृत दस्तावेज यथा भारतीय पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, किसान प्रमाण पत्र, सरकारी या अर्द्ध सरकारी कर्मचारियों को जारी किए गए पहचान पत्र एवं राशन कार्ड में से कोई एक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड कर करवा सकते हैं।

गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों से सम्पूर्ण राज्य में जिला मुख्यालयों पर जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर्स), विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं बूथ स्तर पर बूथ लेवल अधिकारी द्वारा इस अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत 1 सितम्बर, 2019 से 15 अक्टूबर, 2019 के मध्य नाम जुड़वाए, हटाए और और संशोधित किए जा सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता द्वारा सत्यापन का काम वोटर हैल्प लाइन मोबाइल एप के माध्यम से किया जा सकता है। (शेष पृष्ठ 2 पर)

राजस्थान यूनिवर्सिटी में अनुसूचित जाति से पहली बार निर्दलीय छात्रा पूजा वर्मा (बैरवा) विजयी

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी में निर्दलीय पूजा वर्मा ने एनएसयूआई के उत्तम चौधरी को हराया। पूजा को 3889 व उत्तम को 3214 मत मिले। एबीवीपी प्रत्याशी अमित यहां तीसरे स्थान पर रहे। इस यूनिवर्सिटी में 2016 से निर्दलीय प्रत्याशी ही जीत रहा है।

इसी प्रकार विधि महाविद्यालय, पाली-निर्दलीय अध्यक्ष -गीता बालोटिया (रैगर), विधि महाविद्यालय, पाली-कुसुम बालोटिया (रैगर), शिल्पा सौकरिया (रैगर), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर -उपाध्यक्ष-प्रियंका मीणा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-सयुंक्त सचिव- किरण मीणा, वर्धमान कॉलेज-प्रिति डुलगच, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, थानागाजी-अध्यक्ष- मोनिका मीणा, राजस्थान कॉलेज एग्रीकल्चर, उदयपुर-अध्यक्ष-पवन बाकोलिया (रैगर), तिजारा NSUI-अध्यक्ष-सपना मेघवाल, खंडार कॉलेज-उपाध्यक्ष-अशोक बैरवा, खंडार कॉलेज-महासचिव-शंकर लाल बैरवा, बांदीकुई महाविद्यालय-विजय कुमार बैरवा, सिवाना कॉलेज-निर्दलीय-गोबाराम भील, कमला नेहरू महिला महाविद्यालय, जोधपुर-सयुंक्त महासचिव-अनु सागर, राजकीय महाविद्यालय, अजमेर - सचिव - फाल्गुनी धोलखेड़ीया (रैगर), RL सहरिया कॉलेज, कालाडेरा-अध्यक्ष-चन्द्रकला नागोरी, राजकीय विधि महाविद्यालय, नागौर- सयुक्त सचिव-नरेन्द्र जाटोलिया (रैगर), सोजत कॉलेज, सोजत-अध्यक्ष-अतुल भट्ट, राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, शाहपुरा-अध्यक्ष-दीपक उज्जैनिया, राजकीय सुजला महा वि., सुजानगढ़-महासचिव-सावित्री मेघवाल, कला महाविद्यालय, अलवर-अध्यक्ष-सुदीप वर्मा विजयी हुये।

इस अवसर पर पूजा वर्मा को अम्बेडकर मेमोरियल वैलफेयर सोसायटी, अखिल भारतीय बैरवा महासभा, प्रान्तीय बैरवा प्रगति संस्था, राजस्थान दलित मुस्लिम एकता मंच, अखिल भारतीय प्रगतिशील बैरवा महासभा, राज. अनुसूचित जाति विकास परिषद, आचार्य समूह महर्षि बालीनाथ ज्योतिष एवं संस्कार शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान सहित कई संस्थानाओं ने बधाई एवं शुभकामना दी।

कूण्डियास में बाबा रामदेव भण्डारा सम्पन्न

जयपुर। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भाद्रपद में बाबा की असीम अनुकम्पा से बाबा के दर्शनार्थ पधार रहे पैदल यात्रियों/भक्तजनों के लिये निःशुल्क भोजन प्रसादी बाबा रामदेव भण्डारा सेवा समिति जयपुर द्वारा रखा गया। समिति के अध्यक्ष झूंथाराम ठेकेदार ने बताया कि यह भण्डारा शुक्रवार, 16 अगस्त, 2019 से सोमवार, 26 अगस्त 2019 तक भण्डारा स्थल : कूण्डियास, बाबा रामदेव जी के मन्दिर के पास, किशनगढ़, अजमेर में भण्डारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा के हजारों भक्तों ने भोजन प्रसादी का आनन्द लिया। समिति के पदाधिकारी श्री रामेश्वर लाल ठेकेदार खुण्डियाला, श्री रघुनाथ ठेकेदार अराई, श्री मदनलाल काकलवाड़, श्री मोहरू लाल बैरवा रेनवाल, श्री रामगोपाल बैरवा उगरियावास, श्री शंकर लाल बैरवा उगरियावास, श्री रामचन्द्र

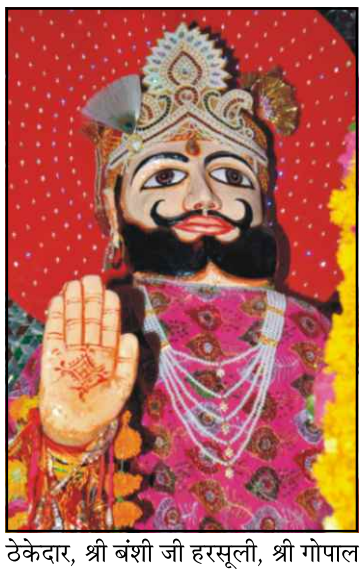

ठेकेदार, श्री बंशी जी हरसूली, श्री गोपाल जी सिसोदिया फोटोग्राफर, श्री फूलचन्द नरवरिया, श्री तेजपाल बैरवा, श्री गोपाल लाल ठेकेदार, श्री तेजुराम ठेकेदार इत्यादि ने भण्डारे में अपनी उपस्थिति दी। इस अवसर पर 25 अगस्त, 2019 को रात्रि जागरण (सत्संग) का भी आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान के कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किये गये।

अब प्रदेश में हर बुधवार को होगी कैबिनेट की मीटिंग, आदेश जारी

जयपुर। प्रदेश में अब हर बुधवार को कैबिनेट की मीटिंग होगी। इसको लेकर गुरुवार को कैबिनेट सचिवालय की ओर से आदेश जारी किया गया। सरकार में तेजी से फैसले करने के लिए यह कदम उठाया गया है। आदेश जारी होने के बाद भविष्य में प्रदेश के सभी मंत्री बुधवार को जयपुर में मौजूद रहेंगे। पिछली भाजपा सरकार ने भी हर महीने के दूसरे और चौथे मंगलवार को कैबिनेट की बैठक करने का निर्णय लिया था।

राजेन्द्र बैरवा अम्बेडकर रत्न से सम्मानित

जयपुर। राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था की ओर से 73वें स्वतंत्रता दिवस पर नेताजी की चक्की कल्याण जी का रास्ता जयपुर पर झण्डारोहण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रजनीश गुप्ता तथा अध्यक्षता श्री अब्दूल रसीद हाजी ने की। श्री विजयपाल महासचिव एवं मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री मोहन लाल जी पारीक एवं समाज सेवी श्री हरिनारायण बैरवा की अगुवाई में श्री राजेन्द्र कुमार बैरवा को राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्था द्वारा अम्बेडकर रत्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

बैरवा सेवानिवृत

कोटा। श्री बाबू लाल बैरवा प्रशासनिक अधिकारी भारतीय जीवन बीमा निगम लि. के पद से 35 वर्ष की सेवा देकर दिनांक 31 अगस्त, 2019 को अपनी

सफल गरिमामय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए।

इस अवसर पर विभाग की और से श्री बाबूलाल बैरवा का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया साथ ही मीणा सामूदायिक भवन, अहिंसा सर्किल के पास, श्रीनाथपुरम, कोटा में परिवारजन, समाज एवं मित्रगणों द्वारा माला एवं साफा बांधकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही आये हुए सभी मेहमानों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अतः समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

सम्पादकीय

कालाधन पर प्रहार

भारत और स्विट्जरलैंड के बीच बैंकिंग सूचनाओं के स्वत: आदान-प्रदान के समझौते के एक सितम्बर से प्रभावी हो जाने के साथ ही भारतीयों के स्विस बैंक खातों के रहस्य पर पड़े पर्दे के उठने की संभावना है। इससे यह पता चल सकेगा कि वहां किन-किन भारतीयों के कितने पैसे जमा हैं? जिन लोगों ने पिछले साल वहां अपने खाते बंद करा लिये थे, वे भी इस व्यवस्था के तहत बच नहीं पाएंगे, क्योंकि उनकी जानकारी भी भारत सरकार को मिल जाएगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड का मानना है कि अब स्विस बैंक से जुड़ी गोपनीयता का दौर समाप्त हो जाएगा। इसीलिए कालेधन के खिलाफ लड़ाई में इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है। लेकिन स्विस बैंक की ओर से अपने कामकाज में पारदर्शिता लाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी थी। यही कारण है कि इसी साल स्विस सरकार ने वहां कालाधन रखने वाले दर्जनों भारतीय कारोबारियों के नाम उजागर किए थे और उन्हें नोटिस भेजा था। हालांकि भारत सरकार द्वारा वित्तीय एवं कर संबंधी गड़बड़ी के सबूत पेश करने पर स्विस सरकार वहां भारतीयों के बैंक खाते का ब्योरा देती थी, लेकिन इस नई व्यवस्था के बाद यह सूचना उसके पास स्वत: पहुंच जाएगी। देखना है कि इससे कालाधन को उजागर करने में कितनी सफलता मिलती है, मगर इससे ज्यादा उम्मीद पालना भी ठीक नहीं होगा। दुनिया के दूसरे देशों की तुलना में स्विस बैंक में भारतीयों के काफी कम पैसे जमा हैं और इसमें भी उतार-चढ़ाव दिख रहा है। स्विस राष्ट्रीय बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारतीयों द्वारा वहां जमा पैसों के हिसाब से भारत का स्थान 74वां है। नई उभरती अर्थव्यवस्था वाले ब्रिक्स के पांच देशों में भारत सबसे निचले स्थान पर है। इसलिए इस पर ज्यादा हर्षित या शोर मचाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती। तय यह है कि विदेशों से ज्यादा कालाधन देश के भीतर ही है। हालांकि काला धन पर प्रामाणिक आंकड़ों का अभाव है, लेकिन एक अध्ययन के मुताबिक 90 प्रतिशत से ज्यादा कालाधन देश के भीतर है। ऐसे में अगर स्विस बैंक से पूरी जानकारी मिल भी जाए, तो उससे कालाधन के खिलाफ लड़ाई पर खास फर्क नहीं पड़ेगा। फिर भी यह स्वागत योग्य है। देश में छिपे कालाधन पर कार्रवाई और तेज करने की जरूरत है। यह एक कारण बताया जाता है, जिससे प्रेरित होकर मोदी सरकार ने नोटबंदी की घोषणा की थी।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता
100 रुपए
विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता
500 रुपए
साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त
आजीवन सदस्यता
2100 रुपए
संरक्षक सदस्यता
5100 रुपए

डॉ. अम्बेडकर की राष्ट्रीय नव निर्माण में भूमिका

गतांक से आगे

क्योंकि आजादी के नेता केवल देश की आजादी में रूचि रखते थे, दलितों की आजादी के प्रति उनकी कोई रूचि नहीं थी। जबकि डॉ. अम्बेडकर देश को विदेशियों की गुलामी से मुक्त कराने से पहले मनुष्यको मनुष्य की परतंत्र ता से मुक्त कराना चाहते थे। यही कारण था कि देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले नेताओं के साथ उनकी पटरी कभी नहीं बैठी।

बाल गंगाधर तिलक के बारे में उन्होंने लिखा था, यदि तिलक अछूत समाज में पैदा हुए होते तो यह कदापि नहीं कहते कि स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि यह कहते कि छुआछूत का खात्मा करना मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। यद्यपि डॉ. अम्बेडकर ने आजीवन दलित-शोषितों के हितों के लिए संघर्ष किया, तथापि उनके लिए राष्ट्रीय मूल्य सर्वोपरि थे। उन्होंने दलित-अछूतों को समान मानवीय अधिकार दिलाने के लिए जेहाद छेड़ा तो केवल इसलिए नहीं कि वह दलित समाज की उपज थे और इस कारण अपने समाज को ऊंचा उठाना चाहते थे। कुछ लोग ऐसा सोच सकते हैं, किन्तु यह सोच तर्कसंगत नहीं है। वस्तुत: डॉ. अम्बेडकर का दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। न तो वह शूद्र सीमाओं में बंधे हुए थे और न ही किसी तरह के पूर्वाग्रह से ग्रस्त थे। इसीलिए उन्होंने दलित अछूतों की समस्या को राष्ट्रीय समस्या माना तथा उनके उत्थान के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया, ताकि राष्ट्र विकास की गति को बेहतर बनाया जा सके तथा सर्वांगीण एवं सुविकसित भारत का निर्माण हो सके। वह राष्ट्र की एकता और अखण्डता के प्रबल पक्षपाति थे।

उनकी मान्यता थी कि सब मनुष्य समान हैं। और सबको सम्मानपूर्वक जीने

का हक है। सबको आगे बढ़ने और प्रगति करने के अवसर मिलने चाहिए। उनके विचारों एवं कृत्यों के पीछे मानवता की प्रबल भावना निहित थी। किसी भी तरह के शोषण, उत्पीड़न अथवा एकाधिकार के वह कठोर विरोधी थे। उनका आग्रह सिर्फ यही था कि सबको न्याय मिले, किसी के साथ भेदभाव न हो, सारा समाज परस्पर मैत्री भाव से रहे। सबको स्वेच्छानुसार व्यापार करने की स्वतंत्रता हो। भारतीय संविधान की रचना करते समय उन्होंने इन बातों को ध्यान में रखा था। उनके सामाजिक दर्शन का मूल प्रतिपाद्य भी यही था कि मनुष्य सर्वोपरि है। दुनिया में मनुष्य से बढ़कर कोई चीज नहीं है। धर्म, सम्प्रदाय आदि सब साधन मात्र हैं, जो मनुष्य केजीवन को शिखर की ओर ले जाते हैं।

इन साधनों को कभी भी बदला जा सकता है। असली चीज है, लोकहित और यही जीवन का साध्य होना चाहिए। साध्य का लोकोपयोगी होना अपने आप में अच्छी बात है, लेकिन साध्य की तुलना में साधन का महत्व भी गौण नहीं होना चाहिए। साध्य की पवित्रता साधन की पवित्रता पर निर्भर करती है। यही कारण है कि डॉ. अम्बेडकर दलितों के हितों के लिए लड़े, लेकिन किसी के हितों पर चोट करना अथवा किसी को नीचे गिराकर स्वयं को ऊपर उठाना उनका उद्देश्य कदापि नहीं रहा। **क्रमश:**

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-सुलानिया, मरमठ, गोठवाल और सामने महर ना हो, मो. 9928260244
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-लोदवाल, रणिजवाल, बंशीवाल, सामने कुण्डारा न हो, मो. 9413283476
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बीए..ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-मिमरोट, गोठवाल, कालरवाल, बैण्डवाल, सामने जारवाल न हो, मो. 8058791025
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-लकवाल, रेसवाल, मिमरोठ, सामने बंशीवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.बी.एस., एम.एस. ई.एन.टी. एस.एम.एस. जयपुर, पिता-एडवोकेट, गौत्र-भेरवाल, मिमरोठ, जोनवाल, मो. 7073909291
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-गंगवाल, गोगडिया, लोदवाल, सिवतिया, सामने चरावंडिया न हो, मो. 9549367702
* जयपुर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-गंगवाल, गोगडिया, लोदवाल, सिवतिया, सामने चरावंडिया न हो, मो. 9549367702
* जयपुर निवासी, 20 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., पिता-निजी कार्य, गौत्र-मीमरोट, लोदवाल, बखण्ड, नगवाड़ी, वासनवाल, सामने जीणवाल न हो।
* कोटा निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम. सीए., वर्तमान में जूनियर अकाउण्डट्स ऑफिसर बीएसएनएल, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, लौड़त्या, जाटवा, मो. 9413350495
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.एस.सी., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसौदिया, जाटवा, लोहडतीया, मो. 9351968820
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम. पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोठवाल, सिसौदिया, जाटवा, लोहडतीया, मो. 9351968820

वधू चाहिए

* फरीदाबाद निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक. इलेक्ट्रीकल, वर्तमान में बिल्डर का कार्य, पिता निजी कार्य, गौत्र-मरमठ, जाटवा, मुराडी।
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., वर्तमान में स्वयं का ज्वैलरी का कार्य, मासिक आय- एक लाख रुपये, पिता निजी कार्य, गौत्र-जोनवाल, कुवाल, लोदवाल, जाटवा, मो. 7073909291
* जयपुर निवासी, 36 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.एड., वर्तमान में टेलरिंग का कार्य, पिता निजी कार्य, गौत्र- गोठवाल, नागरवाल, मीमरोट, कुण्डारा।
* टोंक निवाई निवासी, 26 वर्ष, शिक्षा-एम.बी. आई.टी., वर्तमान में प्राईवेट कार्य, गौत्र-कुवाल मरमट, बीलवाल।
* लाखेरी निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक इलेक्ट्रोनिक इंजीनियर, वर्तमान में आई.टी. कम्पनी में कार्यरत, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-जाटवा, सीवतिया, टटवारिया, मो. 8580692811
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, (तलाक सुदा) शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में सिस्टम इंजिनियर, गौत्र-भीमवाल, रेशवाल, मीमरोट, मो. 9950917562
* जयपुर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., एम.बी.ए., एस.एस.सी. पास, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, सुलाणिया, सामने बैथेड़ा ना हो।
* टोंक निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., नेट, वर्तमान में एसिस्टेन प्रोफेसर सरकारी कॉलेज, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-सिसोदिया, गजरानिया, नंगवाड़ा, सामने जाटवा ना हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक. व एम.टेक, वर्तमान में सिविल इंजी. (शाह टेक्निकल कंस्लटेन्सी, जयपुर), पिता राजकीय सेवा, गौत्र-टटवाड़िया, रेसवाल, गोठवाल।
* टोंक निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-स्पेशल बी.एड., पिता राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहर, गोमलाडू।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने महर न हो, मो. 8302594945

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

15 अक्टूबर तक प्रविष्टियों... (पृष्ठ 1 का शेष)

यह एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं है या एन्ड्रॉयड मोबाइल फोन नहीं है वह उपरोक्त दस्तावेजों में से एक दस्तावेज के साथ उनके क्षेत्र में स्थापित कॉमन सर्विस सेन्टर पर जाकर अपनी प्रविष्टियों का सत्यापन कर सकते हैं और आवश्यकता होने पर ऑनलाइन आवेदन पत्र भर कर प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके साथ-साथ राज्य के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों में वोटर फेसिलिटेशन सेन्टर भी खोले गए हैं जिन पर भी सत्यापन का कार्य करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि विशेष योग्य जन के लिए सत्यापन की सुविधा कॉल सेन्टर के माध्यम से की गई है वे 1950 नं. पर फोन कर प्रविष्टियों का सत्यापन करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान की अवधि में बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाता की प्रविष्टियों का सत्यापन करेंगे। इस दौरान यदि परिवार के किसी पात्र व्यक्ति का मतदाता सूची में पंजीकरण नहीं करवाया है तो मौके पर ही आवेदन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर वृहदतम मतदाता सत्यापन कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर्स का भी विमोचन किया गया।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रेखा गुप्ता, डॉ. जोगाराम, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी (आईटी) श्री एमएम तिवारी, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री विनोद पारीक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्य की शक्तियों के भीतर आम आदमी को राहत देने के प्रयास होंगेः प्रताप सिंह खाचरियावास

जयपुर। परिवहन मंत्री श्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि 1 सितम्बर से राज्य में लागू हुए संशोधित केन्द्रीय

मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के अनुसार परिवहन नियमों का उल्लंघन करने पर लगनी वाली भारी कम्पाउण्डिंग राशि में व्यावहारिक राहत देने के प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए सोमवार को विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाकर राज्य सरकार की शक्तियों के अनुसार आमआदमी को राहत दिए जाने की संभावनाओं के आधार पर निर्णय किया जाएगा।

श्री खाचरियावास सिविल लाइंस स्थित अपने राजकीय निवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में संवाददाआतों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का भी मकसद है कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगे और अमूल्य मानव जीवन बचाए जा सकें। इसके लिए वे कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे लेकिन जुर्माना राशि अधिक होने से जांच एजेंसी या पुलिसकर्मी को देखते ही वाहन चालक के दहशत में गलती करने और दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। खाचरियावास ने कहा कि आज मोटर साइकिल जन साधारण का आम परिवहन साधन है और उस पर इतना अधिक जुर्माना वसूल किया जाना व्यावहारिक नहीं है कहीं-कहीं तो यह जुर्माना वाहन की कीमत से भी अधिक हो रहा है। ई-रिक्शा चलाने वाले गरीब व्यक्ति के पास 30 हजार रुपए बीमा के लिए जुटाना एक बड़ी चुनौती है। इसी तरह एक पुरानी चौपहिया गाड़ी भी 20 हजार रूपए तक में आ जाती है ऐसे में आम आदमी को बड़ी जुर्माना राशि के कारण परेशानी का सामना करना पड़ेगा। अच्छा तो यही है कि किसी भी परिवहन, कानून का उल्लंघन न किया जाए लेकिन इस विषय में व्यावहारिकता अपनाए जाने की जरूरत है। आर्थिक मंदी के दौर में ऐसे प्रावधान बहुत जरूरी नहीं थे।

उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर केन्द्र सरकार के किसी भी तरह का टकराव नहीं है। बल्कि राज्य और केन्द्र के अच्छे और व्यावहारिक सुझावों का आदान-प्रदान करने से ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक संभव है।

पंचायत स्तर पर वाहन ड्राइविंग लाइसेस की संभावना पर विचार

परिवहन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया सरल करने पर विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट के दायरे में पंचायत समिति स्तर पर ड्राईविंग लाइसेंस निर्माण की संभावना पर विचार किया जा सकता है।

रोडवेज में तीन साल की ऑडिट

परिवहन मंत्रीं श्री खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान पथ परिवहन निगम के लेखों की पिछले तीन वर्ष की ऑडिट की जाएगी। रोडवेज में शून्य भ्रष्टाचार की पॉलिसी पर काम किया जाएगा और किसी दोषी अधिकारी-कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। श्री खाचरियावास ने बताया कि राज्य सरकार रोडवेज की हालत में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

करीब साढे 11 सौ नई बसों की खरीद की योजना पर काम किया जा रहा है। रोडवेज बस स्टेण्ड के नए टर्मिनल का जल्द ही लोकार्पण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जागो कलम के सिपाहियों, कही देश बिक न जाये

अमन बेच देंगे, चमन बेच देंगे,अगर कलम के सिपाही सो गये, तो वतन के रखवाले,वतन बेच देंगे।

किसी बुद्धिजीवी ने क्या खूब कहा है और कलम के सिपाहियों को देश की सारी जिम्मेदारी सौंप दी है। इसमें लेखक, पत्रकार, वकील, दार्शनिक, शिक्षाविद्, शिक्षक और पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादक-सब शामिल हैं। ये अपने विचारों की संजीवनी समाज को प्रदान करते रहते हैं जिससे कि युग की आबोहवा का अहसास होता है। जगह-जगह पर हुए जन आंदोलन इस बात के साक्षी हैं कि कलम के सिपाहियों की ताकत को कम नहीं करके आँका जा सकता है चाहे वह मार्क्स के रूप में हों, लिंकन के रूप में हों, गांधीजी के रूप में हों, नेहरु के रूप में हो, डॉ. अम्बेडकर के रूप में हो या लोहिया-जयप्रकाश के रूप में-सभी किसी न किसी आंदोलन अथवा क्रांति के लीडर रहे हैं और समाज में परिवर्तन लाने वाले साबित हुए हैं। क्रांतियों अथवा जन आंदोलनों में इनके विचार ही तो बीज रूप में होते थे। अत:किसी देश के सही दिशा में प्रगति करने के लिये वहां के बुद्धिजीवी वर्ग का जागरुक होना आवश्यक है। वर्तमान में ऐसा लगता है कि कलम के सिपाहियों की ताकत कम हो गई है। विचारों में वह तीखापन नहीं रहा जैसा कि 'सिंहासन खाली करो, कि जनता आती है' में था। न ही शब्द शक्ति ही कुछ असर कर रही है। अधिकांश बुद्धिजीवी एक पार्टी विशेष के विचारों के प्रतिनिधि बने हुए हैं और उसके मापदण्डों को येन-केन-प्रकरेण लागू करना चाहते हैं अथवा कि देश पर थोपना चाहते हैं। विशुद्ध रूप से साम्प्रदायिकता की नींव पर खड़ी इस पार्टी के मूल में समानता और बहुजन हित नहीं है और इसने देश के साधन-संसाधनों का निजीकरण करना शुरु कर दिया है जो कि बरसों की मेहनत के बाद खड़े किये गये थे। इसका सीधा-सीधा लाभ उनको मिल रहा है जो इनको चुनावों में हर तरह से मदद करते हैं और जो इनके चहेते हैं।

एक लोक कल्याणकारी सरकार में अधिक से अधिक साधन-संसाधनों पर सरककार का कब्जा होना चाहिये और जीवनोपयोगी साधन-संसाधन जनता को समुचित मूल्य पर उपलब्ध होने चाहिये। कम से कम भोजन, आवास, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, पानी, बिजली, परिवहन आदि पर तो सरकार का पूरा नियंत्रण होना ही चाहिये।

लेकिन हो क्या रहा है? उपरोक्त सुविधायें सरकार के हाथ में कम, निजी हाथों में अधिक है, जिनके मुहमांगे दाम देने के बावजूद भी गुणवत्ता और संतोष नहीं मिलता है। उदाहरणार्थ- निजी विद्यालयों में पूरी फीस देने के बावजूद बच्चों को ट्यूशन पढ़ाना पड़ता है ताकि अच्छे अंकों से पास हो सके।

आज सरकारों द्वारा ऐसी योजनाएं बनाई जा रही हैं जो सिर्फ व्यापारी वर्ग के लिये अथवा उच्च वर्ग के लिये फायदेमंद हैं, आम जनता के लिये नहीं। सरकारी कम्पनियों को निजी हाथों में बेचा जा रहा है और धीरे-धीरे रोजगार के अवसर कम किये जा रहे हैं। इसका विशेष असर अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर पड़ रहा है क्योंकि इनके रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं। किसी भी अच्छे-भले चल रहे संस्थान को नकारा साबित करना और फिर उसे निजी हाथों में बेच देना सरकारों की बुरी पॉलिसियों में से एक है। आश्चर्य तब होता है जब निजी हाथों में जाकर वही संस्थान तरक्की करता है और लाभ भी कमाता है। इस बात पर रिसर्च होने चाहिये कि आखिर ऐसा क्यों होता है और यदि रिसर्च हुए हैं तो जनहित में लागू होने चाहिये कि ऐसी कौनसी बातें हैं जिनके चलते अच्छी-भली कम्पनी बंद होने के कगार पर पंहुच जाती है, किस प्रकार इसे रोका जा सकता है और लाभदायक बनाया जा सकता है? यह सब आरक्षण समाप्ति के लिये भी हो रहा है। सरकारी संस्थान समाप्त हो जायेंगे तो आरक्षण स्वत: ही समाप्त हो जायेगा और फिर अनुसूचित जातियों/जनजातियों को पहले वाले धरातल पर गिरने में अधिक समय नहीं लगेगा। अन्य पिछड़ा वर्ग को इससे कोई खास नुकसान होने वाला नहीं है क्योंकि इस वर्ग को आरक्षण की वास्तव में कभी आवश्यकता ही नहीं रही और न ही इस वर्ग से इसके लिये संघर्ष किया। इस वर्ग को आरक्षण आगे होकर दिया गया, जबकि अनुसूचित जातियों/जनजातियों को साइमन कमीशन के प्रावधानों के बदले आरक्षण मिला।

दिनांक 27 जून 2019 के राजस्थान पत्रिका में छपा कि घाटे में चलने वाली 19 सरकारी कम्पनियां बंद की जायेंगी। सरकार ने इस बात पर ध्यान देने के बजाय कि आखिर कैसे ये घाटे में गई और कैसे लाभ में लाया जा सकता है, इनको बंद करने की घोषणा कर दी। इनमें तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड, एचएमटी वॉचेजलिमिटेड, एचएमटी चिनार वॉचेज लिमिटेड, एचएमटी बियरिंग्सलिमिटेड, एचएमटीलिमिटेड की टैऊक्टर यूनिट और इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड की कोटा यूनिट, हिन्दुस्तान केबल्स लि., केन्द्रीय अन्तर्देशीय जल परिवहन निगम लिमिटेड, इंडियन ड्रग्स और राजस्थान ड्रग्स एण्ड फार्मा लि., आईओसीएल बायोयूल्स लि., एचपीसीएल बायोयूल्स लि.,आदि प्रमुख हैं। इनके अलावा बीएसएनएल, आईओसीएल, एचपीसीएल आदि की अचल सम्पत्तियां भी बेचने को है जिनका परिणाम अंतत: यह होगा कि कम्पनियां दिवालिया घोषित कर दी जायेंगी और बंद कर दी जायेंगी या निजी क्षेत्र को बेच दी जायेंगी। एक कम्पनी के खुलने और लोगों में अपनी पहचान बनाने के पीछे कई लोगों की वर्षों की मेहनत होती है। उसे मात्र एक सरकारी आदेश से बंद कर देने से कितने ही लोग बेरोजगार हो जाते हैं। फिर उसके साधन-संसाधनों को औने-पौने दाम पर बेच दिया जाता है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड का ही उदाहरण ले लीजिये। जानकार लोग बताते हैं कि जितने कम दाम में कम्पनी को वेदान्ता ग्रुप को बेचा गया, उससे अधिक तो उसके कबाड़ और अचल सम्पत्ति की कीमत थी, खानों में छिपे जिंक, लेड, चांदी और चल सम्पत्ति का आंकलन अलग था।

अत: जनता को, खासकर अनुसूचित जाति औरजनजाति के लोगों और इनसे जुड़े जनप्रतिनिधियों को इस प्रकार की योजनाओं का पुरजोर विरोध करना चाहिये जिनमें किसी सरकारी कम्पनी को निजी हाथों में बेचने का प्रावधान हो। सरकारी कम्पनियां तथा संस्थान ही तो हमारे लिये रोजगार के अवसर हैं जहाँ हम नौकरी कर सकते हैं। निजी संस्थानों में हमें आज भी अच्छी और सम्मान की नौकरी नहीं मिल पाती है। अत: सरकारी संस्थानों के समाप्त होने का सीधा अर्थ है हमारे लोगों के लिये नौकरियों के अवसर कम होना। जो कि आरक्षण को समाप्त करना ही है।

श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा

हर्ष के दोहे

गतांक से आगे

आदर की आधी भली, बिनादर की न खीर।
दुर्योधन मेवा तजी, विदुर साग में सीर।।

महाभारत के प्रसंगानुसार जब श्री कृष्ण जी ने दुर्योधन की मेवा तजर आदर के साथ विदुर के साग में साझा किया, उसी तरह से बिन आदर की खीर की जगह आदर के साथ कहीं आधी रोटी भी मिले तो वही श्रेष्ठ है।

अमरबेल बधती गई, पेड़ छितराय।
मरे पेड़ अधिभार से, संग बेलि मरि जाय।।

जिस तरह से अमरबेल पेड़ पर आश्रय लेकर बढ़ती रहती है और देखते-देखते पूरे पेड़ पर छितरा जाती हे, उसी तरह पराश्रयी व्यक्ति आप पर भार बन सकता है। जिस तरह से अमरबेल के अधिभार से बेल और पेड़ दोनों नष्ट हो जाते हैं, उसी तरह आश्रयदाता पराश्रयी के अधिभार से मार खाता है।

दुर्जन लाल कुचाल है, फांसे मछली जाल।
बिन मतलब ना पूछता, दुष्ट किसी का हाल।।

दुष्ट व्यक्ति हमेशा कुचालें ही चलता रहता है। जिस तरह मछेरा मछली को फाँसने के लिए जाल बिछाता है, उसी तरह दुष्ट भी फाँसने का प्रयत्न करता है। यह जान लीजिये दुष्ट व्यक्ति बिना मतलब के किसी के हाल तक नहीं पूछता।

का मदिरा नित पी रहा, मदिरा पीये तोय।
तन खोखल घर खोखला, देती सब कुछ खोय।।

आप क्या नित शराब पी रहे हैं? असिलयत में तो मदिरा तुमको पी रही है। घर को खोखला कर रही है। और, अंत में आपका सब कुछ नष्ट कर देती है।

कोई पूजे देहरा, कोई मजिस्द जाय।
जाणनहारा जानता, हर घर वो मुसकाय।।

यहाँ कोई मंदिर में ईश्वर की पूजा करता है और कोई मस्जिद में अल्लाह की। लेकिन इस बात को कोई जानने वाला ही जानता है कि ईश्वर और अल्लाह एक ही है और वह हर घट में मुस्करा रहा है।

सुख दुख खेती आपकी, कर्म बीज निज हाथ।
बोया सो ही काटते, किये कर्म के साथ।।

आपके जीवन रूपी खेत में सुख या दुख की खेती आपके कर्म रूपी बीज पर निर्भर करती है। व्यक्ति जैसा बोता है, उसे कर्म के अनुसार ही फल मिलता है।

अब कोई राजा नहीं, ना ही कोई दास।
गेंद पड़ी चौगान में, खेले जिसके पास।।

अब न कोई राजा है और न ही कोई अनुचर। सभी समान और स्वतंत्र हैं। जिसकी जितनी सामर्थ्य है, वह उतना ही अपना खेल-खेल सकता है। गेंद चौगान में है, जो भी खेलेगा वह उसी के पास जायेगी।

दोष पराये का गिने, आपा हर्ष विचार।
एक उठाये आंगुरी, तुण्को तीन तियार।।

दूसरे किसी व्यक्ति के दोष गिनने से अच्छा है अपने गुण एवं दोषों पर विचार कीजिए। आप यदि किसी के दोष पर एक अंगुली उठायेंगे तो आपकी ओर तीन अंगुलियाँ उठ जायेंगी।

अहम् कुंभ एक गरल सा, हर्ष न अति अनुराग।
अहंकारी को छेड़ना, मानो छेड़ा नाग।।

अहंकार जहर भरे घड़े के समान है। अहंकारी से प्रीत करना और उसे छेड़ना जहरीले नाग को छेड़ने के समान है।

दाव लगा दर-दर फिरे, भटके पांडव वीर।
हर्ष दाव के कारणे, सही अणूती पीर।।

जुआ खेलने के कारण ही वीर पांडवों को वनवास में दर दर की ठोकर खानी पड़ी और जुए में दाव हार जाने के कारण उन्हें बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी।

क्रमश:

- हरदान हर्ष

राज्य स्तरीय पुरस्कारों का सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर। श्री नारायण मानव सेवा समिति द्वारा सांगानेर स्टेडियम में विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया गया एवं इस मौके पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी समिति द्वारा रखा गया राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में राज्य के विभिन्न जगहो से आये विशिष्ट व्यक्तियों को समिति के सर्वोच्च पुरस्कारों से नवाजा गया रामकिशोर डेरेवालों को हेण्डब्लॉक प्रिन्ट के क्षेत्र में डॉ. मुकेश अग्रवाल को साहित्य क्षेत्र में नारायण रत्न पुरस्कार से नवाजा गया यह पुरस्कार समिति द्वारा राज्य के 5 व्यक्तियों को दिये जाते है। एवं 15 प्रतिभाओं को नारायण गौरव एवं नारायण सेवा पुरस्कार से नवाजा गया, इस मौके पर राज्य के 76 मैघावी विद्यार्थियों को भी नारायण अम्बेडकर पुरस्कार से नवाजा गया सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही 50 निर्धन विद्यार्थियों को स्कूल बैग व स्टेशनरी वितरित कि गई। समिति अध्यक्ष चन्द्रमोहन चहेता ने बताया कार्यकारिणी के सभी कार्यकर्ताओं को नारायण स्तंभ दिया गया , कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री विष्णु लाटा, जयपुर महापौर एवं विशिष्ट अतिथि श्री प्रशांत बैरवा विधायक निवाई पिपलू, कांग्रेस नेता पुष्पेंद्र भारद्वाज, सुमन गुर्जर, पार्षद नगर निगम रहे एवं की समारोह अध्यक्षता बिरदीचन्द शर्मा ने की इस मौके पर समिति के दीपक महेश्वरी, राकेश माहेश्वरी, सरिता चौधरी, सुरेंद्र वर्मा, मदन नागरवाल, संजीव झा, शंकर धवन, मुकेश अग्रवाल, सीता राम बेनीवाल, धर्मेंद्र लोदिया ,बालकिशन अकोदिया, जावित्री सिंह, महावीर सिंह फौजी, योगेंद्र सिंह, शादिक हिंदुस्तानी, विकास डाबरा, जुगल किशोर छिंपा, पुरुषोत्तम नागर एवं सम्पूर्ण कार्यकारिणी, कार्यकर्ता एवं सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आचार्य समूह के तत्वावधान में समाज की सभी महासभा संगठन/संस्थानों की होने वाली सामूहिक गोठ स्थगित

जयपुर। समाज को एक प्लेटफार्म/ एक मंच पर लाने के आचार्य समूह महर्षि बालीनाथ ज्योतिष एवं संस्कार शिक्षण संस्थान (पंजीकृत) राज. जयपुर के प्रयासों से दिनांक 22.7.2018, 25.7.2018, 24.8.2018, 5.9.2018, 17.7.2019, 21.7.2019 व 28.7.2019 को अखिल भारतीय बैरवा महासभा 277, अखिल भारतीय प्रगतिशील बैरवा महासभा, प्रांतीय बैरवा प्रगति संस्था, बैरवा गुरूकुल संत समिति आदि के पदाधिकारियों की बैरवा समाज की सामूहिक गोठ एवं अन्य सभी कार्य संगठित होकर सामूहिक रूप से करने बाबत बैठकें हुई।

उक्त बेठकों में बैरवा समाज के विद्वान/गणमान्य प्रबुद्धजनों ने बैरवा समाज की संगठित होकर एक ही सामूहिक गोठ करने की सहमति/स्वीकृति दी। जिसको कार्यरूप में परिणित किये जाने की कड़ी में अखिल भारतीय बैरवा महासभा 277 ने गोठ के कूपन, बैनर व पम्पलेट आदि में उनकी महासभा का व उनके पदाधिकारियों का नाम अंकित नहीं करने की शर्त पर अन्य महासभा/संगठन/संस्थानों के साथ बैरवा समाज की सामूहिक गोठ करने में सहयोग करने का आश्वासन दिया।

बैरवा समाज की सभी महासभा/ संगठन संस्थानों की भावनाओं को आचार्य समूह महर्षि बालीनाथ ज्योतिष एवं संस्कार शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान सिरोधार्य करते हुए इस निर्णय पर पहुंचा है कि जब तक समाज की समस्त महासभा/संगठन/संस्थान बिना किसी शर्त के निज हितों को त्याग कर तन-मन-धन से सम्पूर्ण समर्पण भाव से संगठित होकर एक प्लेट फार्म/एक मंच पर नहीं आ जाता। आचार्य समूह विवश है कि समाज द्वारा चिर प्रतिक्षित गोठ को अपने तत्वावधान में अपने अकेले के बैनर तले नहीं करें। यह जरूरी नहीं कि गोठ आचार्य समूह ही करे। वर्ष 2019 हो या भविष्य में कभी भी और कोई कैसा भी कार्य क्यों नहीं हो। छोटे-बड़े का भ्रम त्यागकर समाज की एक-एक ईकाई से संकलित राशि/सहयोग राशि से किये जाने वाली गोठ या कोई भी कार्य महासभा/ संगठन/संस्था की न होकर समाज के सभी महासभाओं/संगठनों/संस्थाओं के बैनर तले एक एकीकृत फोरम के तत्वावधान में जवाबदेह/स्वच्छ छवि वाली पारदर्शी गोठ (कोई भी कार्य) होनी चाहिये।

चूंकि समाज की अग्रणी महासभा ने भी अब वर्ष 2018-2019 के मुख्य एजेण्डा में एक बिन्दु समाज को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिए किस तरह से मंच पर एक किया जाए पर विचार लिए हैं।

ठीक वैसे ही जैसे एक-एक वोट के आधार पर एक महासभा 21,000 सदस्यों की अग्रणी महासभा बनी है, वैसे ही गोठ हो या कोई भी सामूहिक सामाजिक कार्य भी किसी एक व्यक्ति, एक संस्थान का न होकर समाज के एक-एक व्यक्ति द्वारा दी गई कूपन राशि/सहयोग राशि के कारण समाज का सर्वहितार्थ सामाजिक सामूहिक कार्य है।

अत: आईये उन एक-एक व्यक्ति को महासभाएँ/संस्थाएँ/संगठन मिलकर एक सूत्र बनकर पिरो लें, माला बना लें और विश्व के युग पुरुष और हमारे मसीहा के महामंत्रों में से एक मंत्र 'संगठित हो' को साकार कर दिखाएं।

राज्य को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ में लगातार तीसरे वर्ष मिलेगा प्रथम पुरस्कारः ममता भूपेश

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश ने कहा है कि गैर सरकारी संस्थान (एनजीओ) फील्ड में प्रभावी तरह से कार्य कर लक्षित वर्ग को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि प्रस्तुतिकरण और पेपर वर्क तो सभी एनजीओ बहुत अच्छा करते हैं किन्तु उसका फील्ड में प्रभाव उस स्तर पर नहीं दिखता। उन्होंने कहा कि यदि एनजीओ इस ओर ध्यान देकर जमीनी स्तर पर अपनी योजनाओं को अमली जामा पहनाएं तो अपेक्षित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। भूपेश ने महिला अधिकारिता विभाग में महिला एवं बाल विकास की योजनाओं से जुड़े गैर सरकारी संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। महिला एवं बाल विकास मंत्री ने आयुक्त महिला अधिकारिता विभाग पी.सी. पवन तथा निदेशक समेकित बाल विकास सेवाएं श्रीमती सुषमा अरोड़ा की उपस्थिति में आयोजित बैठक में कहा कि कई एनजीओ अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग लगातार अच्छा कार्य कर रहा है जिसके चलते राष्ट्रीय पोषण मिशन में राज्य को प्रथम पुरस्कार मिला है।

बाबा रामदेव जी सत्संग 7 सितम्बर को

करीब 100 वर्ष पुराना बाबा रामदेव मन्दिर (छोटा गुवाड़ा) जयपुर स्थित लुहारों का खुर्रा में 25 वर्षों से मुस्लिम क्षेत्र में एक भी हिन्दू परिवार न होते हुए भी मुस्लिम लोगों के सहयोग से तेली व बैरवा परिवारों द्वारा लगातार सेवाभाव से पूजा अर्चना व हर वर्ष बाबा रामदेव जयन्ती पर सत्संग समारोह दशमी मेला का आयोजन किया जाता रहा है।

जयपुर। बाबा रामदेव मेला समिति लुहारों का खुरा मछली मण्डी रामदेव जी के अध्यक्ष ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस पर्व भी बाबा रामदेव जी का सत्संग दिनांक 7.9.2019 को एवं दिनांक 8.9.2019 को मंदिर में बाबा रामदेव जी का मेला आयोजित किया जायेगा। उक्त मेले में सभी समाज के दर्शनार्थी बड़ी संख्या में आते हैं। मंदिर में रमेशचंद बैरवा पुजारी के द्वारा प्रतिदिन आरती कार्यक्रम किया जाता है। राजेश कुमार बैरवा ने बताया कि यह मन्दिर पुरखों द्वारा निर्मित किया गया है। मन्दिर के रखरखाव बाबा रामदेव मेला समिति के समस्त पदाधिकारी प्रभुदयाल बैरवा, सुरेश कुमार, गोविन्दराम, राजेश कुमार, गणेशराम, रमेशचन्द समस्त द्वारा आयोजन किया जाता है। इस वर्ष मेले में श्री पूरणचन्द भियाणा बड़ा गुवाड़ा ने हाल महेश नगर निवास 5100/- रुपये सप्रेम भेंट।

श्री बाबा समाचार पत्र के विशिष्ठ सदस्य बनने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री हुकम चन्द बैरवा
से.नि. सहायह शासन सचिव
सचिवालय, जयपुर

श्री लच्छुराम रेसवाल
से.नि. सहायक लेखाधिकारी
सांगानेर, जयपुर

श्री ओमप्रकाश लोदवाल
से.नि. प्रशासनिक अधिकारी
महेश नगर, जयपुर

श्री हीरा लाल बैरवा
से.नि. सहा.कार्या. अधीक्षक,
पीडब्ल्यूडी, जयपुर

श्री घनश्याम कुण्डारा
से.नि. प्रो. एग्जीकेटीव
दूरदर्शन, जयपुर

श्री पाँचूलाल गोठवाल
से.नि. एएओ विद्युत विभाग
जयपुर

श्री प्रमोद प्रसाद
जेतपुरी, महेश नगर
जयपुर

श्रीमती कमला बंशीवाल
महेश नगर
जयपुर

श्री अशोक गोठवाल
सांगानेर
जयपुर

श्री आर.एल. बैरवा
महेश नगर
जयपुर

श्री बाबूलाल बैरवा
बाड़देवरी
जयपुर

मुन्नालाल बैरवा
श्रीकल्याण नगर,
करतारपुरा, जयपुर

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com